ये अव्यक्त इशारे

अब सम्पन्न वा कर्मातीत बनने की धुन लगाओ

19-12-2025

जैसे कर्म में आना स्वाभाविक हो गया है वैसे कर्मातीत होना भी स्वाभाविक हो जाए। कर्म भी करो और याद में भी रहो। जो सदा कर्मयोगी की स्टेज पर रहते हैं, वह सहज ही कर्मातीत हो सकते हैं। जब चाहे कर्म में आयें और जब चाहें न्यारे बन जायें, यह प्रैक्टिस कर्म के बीच-बीच में करते रहो।

Now have the deep concern become complete and karmateet.

Just as it is natural to act, similarly, let it become natural to be karmateet. Perform actions and also stay in remembrance. Those who constantly stay in the karma yogi stage can easily become karmateet. Start to act when you want and then become detached when you want. Continue to practise this every now and then.